(नियम 26)

अदालत उप जिला कलेक्टर मुकाम बांदीकुई

भागचन्द पुत्र सरवण बनाम हरिनारायण पुत्र प्रभुनारायण वार्ड 709 ... बांदीकुई

मुकदमा प्रा० पत्र अपास्त एकतरफा कार्यवाही नं० 10/2017 सन् विविध

तारीख	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए
06-1-2020		

पत्रावली पेश हुई। वकील पक्षकार उपस्थित
प्रा० पत्र एडमिट पर बहस सुनी गई, प्रार्थीगण
ने प्रा० पत्र बाबत अपास्ती एकतरफा आदेश
दिनांक 15/7/2002 एवं पारित एकतरफा डिक्री
10/7/2006 मुकदमा नं० 123/2006 हरिनारायण
बनाम जमनालाल वगैरा में हरिनारायण के
पेश किया कि प्रार्थीगण को उपरोक्त
प्रकरण की पत्र में कभी भी कोई सम्मन
अदालत द्वारा नहीं भिजवाया है उपस्थिति
अप्रार्थीगण द्वारा नहीं
तामील नहीं करवाई है गलत आधारों पर
विपक्षीगण ने एकतरफा आदेश पारित करवाया
है वर्ष 2002 में प्रार्थी नं० एक महेश नगर
जयपुर रहता था गांव नहीं रहता था, प्रार्थीगण
2,3, गांव में रहते थे परन्तु उनको भी उक्त
प्रकरण के सम्मन प्राप्त नहीं हुये, भूमि हाल
ख० नं० 518, 517, 675, 571 पर रामजीलाल, भागचंद
गोकुल पिता किशनलाल तथा भागचंद, मदनलाल
पुत्र सरवण के लगभग 40 वर्ष पूर्व से मकान
वगैरा बने हुवे हैं लगातार कब्जा चला
आ रहा है उपरोक्त प्रकरण में पारित डिक्री
बारहों को लगाने के हिस्से में गलत तरीके से
में प्रार्थीगण के हिस्से में गलत तरीके से
भूमि दिलाई है अतः उपरोक्त प्रकरण
में पारित डिक्री 10/7/2006 को संशोधित
एवं दिनांक 20/3/2008 एवं 23-6-2008

तारीख हुक्म	प्रो. 10/2017 भागचन्द पुत्र श्री लक्ष्मण बनाम हरिनारायण हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज उप खण्ड अधिकारी बांदीकुई (दौसा)	नम्बर व अहकाम हुक्म की मय जारी

को निरस्त किया जाकर प्रार्थीगण
को सुनवाई का अवसर दिया जाकर निष्पक्ष
पुनः प्रकरण का निर्णय करें। साथ में
दरख्वास्त जेर दफा 5 म्याद मियाद अधिनियम
एवं पारित आदेश की प्रमाणित प्रतिया
पेश की,

प्रार्थना पत्र दर्ज रजिस्टर कर अप्रार्थीगण
तलबी गये। तारीख पर अप्रार्थीगण
ने उपस्थित न्यायालय होकर जवाब प्रा० पत्र
पेश किया कि प्रा० पत्र को पैरा नं० 1 से प्रार्थीगण
कथन गलत तरह तरदीद किये हैं अस्वीकार है
मानवीय न्यायालय में वाद दिनांक 15-6-2001
को तहसीलदार बसवा द्वारा हरिनारायण बनाम
जयनारायण प्रस्तुत किया गया है। प्रतिवादीगण
वाद के 9,10 उपस्थित आये, प्रतिवादीगण
श्री तलबी लक्ष्मण, रामेश्वर नलवाला के भी
गई है उपस्थित नहीं होने पर एकतरफा
कार्यवाही विधिक रूप से हुई है अन्तिम
डिक्री पारित हुये 10 वर्ष बाद वाद प्रा० पत्र
प्रस्तुत किया है। जिसका कोई उचित अर्थ
कारण पत्रावली पर पेश नहीं किया है
प्रा० पत्र किस धारा किस आदेश व नियम
के प्रस्तुत किया हो तथ्य अंकित नहीं है
निष्पादन पूर्ण हो चुका है मौके पर भूमि
का कई पक्षकारान ने बेचान कर दिया है
प्रा० पत्र खारिज किया जावे।

उभय प्रा० पत्र पर बहस तफ्सीलन
सुनी, प्रार्थीगण वकील ने बहस में
एकपक्षीय पारित डिक्री को विधि विरुद्ध
होने से निरस्त किये जाने व प्रार्थीगण
को पुनः सुनवाई का अवसर प्रदान कर
निष्पक्ष निर्णय पारित करने का

प्रो. 10/2017 गागाराम वगै० हरजन पुत्र हरिनारायण हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज उप खण्ड अधिकारी बांदीकुई (दौसा)	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए
निवेदन किया, अप्रार्थीगण वकील ने विधिवत डिक्री पारित होना व निर्णय डिक्री की अवधि 10 वर्ष व आदि निष्पादन होने की स्थिति में स्वयं वाद के निष्पादन भूमि का कई पक्षकारो द्वारा बेचान करने से प्रा० पत्र खारिज करने का निवेदन किया। हमने वकील उभयपक्ष की बहस पर मनन किया, प्रार्थीगण प्रा० पत्र व अप्रार्थीगण जवाब प्रा० पत्र तथा प्रस्तुत दस्तावेज एवं मूल वाद का अवलोकन किया; उपरोक्त अन्तर्गत प्रकरण हरिनारायण बनाम जयनारायण वगैरा दिनांक 15-6-2007 को डायर की है जिसमें प्रा० पत्र प्रार्थीगण को पक्षकार बनाये है, विधिवत प्रतिवादीगण पर प्रतिवादीगण को जरिये सम्मन, तलब किया गया है। के विरुद्ध एकपक्षीय कार्यवाही की गई है डिक्री के विरुद्ध प्रार्थीगण को निर्णय डिक्री के विरुद्ध सक्षम न्यायालय में विधिक प्रक्रिया अन्तर्गत अपील प्रस्तुत करनी चाहिये जो नहीं की गई है वर्तमान में अप्रार्थीगण के अलावा कई पक्षकार द्वारा भूमि का बेचान किया जा चुका है अतः उपरोक्त विवेचन से प्रार्थीगण प्रा०पत्र नं० 10/2017 विविध प्रार्थीगण प्रा०पत्र आदेश दिनांक 15-7-2002 से पारित एकतरफा आदेश दिनांक 123/06 हरिनारायण पारित डिक्री 10-7-2006 बनाम जयनारायण वगैरा, पोषणीय नहीं होने से खारिज किया जाता है। पत्रावली बाद तकमील दाखिल दफ्तर हो। निर्णय सुनाया गया।	

(पिंकी मीणा RAS)
उप खण्ड अधिकारी
बांदीकुई (दौसा)

Scanned with CamScanner

Signature Not Verified
Digitally signed by Pinki Meena
Date: 2020.02.18 15:26:14 IST
Reason: SelfAttested
Location: